ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी व्याकरण

दिनांक—02/03/2021 (विशेषण)

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

1. **गुणवाचक विशेषण** -जिससे किसी संज्ञा के गुण, रंग, आकार, अवस्था आदि का बोध हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं, जैसे- वह एक अच्छा आदमी है (गुण)।
   उसकी टोपी लाल है (रंग)।
   उसका चेहरा गोल है (आकार)।
   भूखे पेट भजन नहीं होता (अवस्था)।
   2. परिणामवाचक विशेषण -जिससे किसी वस्तु की माप, तौल अंदाज इत्यादि का बोध हो, उसे परिणामवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे-थोड़ा दूध लाओ।
   एक मीटर कपड़ा दे दीजिए।
   <u>परिमाणवाचक विशेषण के दो भेद होते हैं:-</u>

1.**<u>निश्चित परिमाणवाचक विशेषण-</u>** निश्चित माप-तौल बताने वाला विशेषण शब्द निश्चित परिमाणवाचक विशेषण होता है; जैसे- दो लीटर,एक मीटर,आदि।
~~~~~~~~~~

2.<u>अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण- </u>अनिश्चित माप-तौल बताने वाला विशेषण शब्द आनिश्चित परिमानवाचक विशेषण कहलाता है; जैसे- कम, अधिक, थोड़ा, जरा आदि।

3. संख्यावाचक विशेषण -जिससे किसी व्यक्ति या वस्तु की संख्या का बोध हो उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं; जैसे-चार रुपये लाओ।

कुल कितने आदमी थे?

<u>संख्यावाचक विशेषण के दो भेद</u> -

1.**<u>निश्चित संख्यावाचक विशेषण-</u>** जब विशेषण शब्द कोई निश्चित संख्या बताता है तब वह निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाता है; जैसे-

दोनों भाई आ जाना।

पहली बात मत भूलना।

4. संकेतवाचक विशेषण -किसी संज्ञा के पहले आने वाले सर्वनाम को संकेतवाचक विशेषण या सार्वनामिक विशेषण कहते हैं; जैसे- मेरी बहन अच्छी है।

उसकी अक्ल घास चरने गई है।

यही आदमी काम पर आएगा। संकेतवाचक विशेषण किसी संज्ञा की ओर संकेत करने वाले सर्वनाम होते हैं, अत: इन्हें सार्वनामिक विशेषण भी

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”

🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲